## CONTINUOUS LEARNING PROCESS (CLP)

## CLASS VII

## SANSKRIT

| S.NO | Month | Chapter | Learning outcome |
|---|---|---|---|
| 1 | APRIL | संस्कृत साहित्य<br>सुभाषितानि (पाठ–1)<br>व्याकरण–<br>शब्दरूपाणि–नदी(पाठ–2)<br><br>धातुरूपाणि–वद्<br>(लट्व लृट् लकार) | –मधुर वचन में बोलना<br>–व्यवहार कुशल होना<br>–नैतिक मूल्यों की परख<br>–सज्जनता के गुण की पहचान |
| 2 | MAY | संस्कृत साहित्य<br>दुर्बुद्धिः विनश्यति(पाठ–2)<br>व्याकरण–<br>शब्दरूपाणि–गुरु(पाठ–2)<br>धातुरूपाणि–गम्<br>(लट् व लृट् लकार) | –सच्चे मित्र की पहचान<br>–व्यर्थ वाचन न करना<br>–हित चाहने वाले का सम्मान<br>–मुसीबत में फँसे लोगों की मदद करना |
| 3 | JULY | संस्कृत साहित्य<br>पण्डिता रमाबाई (पाठ–5)<br>व्याकरण–<br>शब्दरूपाणि–सर्वनाम<br>तत् (स्त्रीलिंग)<br>धातुरूपाणि–कृ<br>(लट् व लृट्लकार ) | –परिश्रम कभी विफल नहीं होता<br>–कठिन परिस्थितियों मेंहार न मानना<br>–शिक्षा सबसे बड़ा गुण<br>–शिक्षा सही गलत का भेद बताती है<br>–शिक्षा से नारी सम्मान पाती है |
| 4 | AUGUST | संस्कृत साहित्य<br>सदाचार :(पाठ–6)<br>व्याकरण–<br>धातुरूपाणि–अस्<br>(लट् व लृट् )<br>अव्यय प्रयोगः(पाठ–8) | –आलस्य मानव का सबसे बड़ा शत्रु<br>–कल का काम आज करना<br>–सत्य बोलो ,प्रिय बोलो<br>–बडो का सम्मान करना<br>–व्यवहार मधुर |
| 5 | SEPTEMBER | संस्कृत साहित्य<br>अहमपि विद्यालयं<br>गमिष्यामि<br>(पाठ–9)<br>व्याकरण–<br>अपठित गंद्याशाः–(1,2)<br>(पाठ–13) | –परेशानी में एक दूसरे की मदद करना<br>–बाल श्रम का विरोध करना<br>–मौलिक अधिकारों से परिचित होना<br>–गरीबों की सहायता करना |
| 6 | OCTOBER | संस्कृत साहित्य<br>विश्वबन्धुत्व् (पाठ–10)<br>व्याकरण–<br>शब्दरूपाणि–मातृ<br>धातु रूपाणि–हस् व पच्<br>(लोट् व लड् लकार ) | –हिंसा से देश का विकास नही होता<br>–भाईचारे से शान्ति स्थापित<br>–ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में मित्रता जरूरी<br>–सूर्य और चन्द्रमा के गुणों से प्रेरित<br>–आचरण में उदारता |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 7 | **NOVEMBER** | संस्कृत साहित्य<br>विद्याधनम् (पाठ–12)<br>व्याकरण–<br>शब्दरूपाणि–साधु<br>धातुरूपाणि–भू ,नम्<br>(लोट् व लड् लकार) | –विद्या की महत्ता जानना<br>–विद्या से समाज में सम्मान<br>–मधुरभाषी बनना<br>–विद्या से ही संसार में यश मिलना<br>–प्रयोग कौशल |
| 8 | **DECEMBER** | संस्कृत साहित्य<br>अनारिकायाः जिज्ञासा<br>(पाठ–14)<br>व्याकरण–<br>सर्वनाम शब्दरूपाणि–<br>एतत् स्त्रीलिंग<br>पर्यायाः<br>विपर्ययाःच(पाठ–11) | –पूर्ण ज्ञान की उत्सुकता<br>–मंत्री के उत्तरदायित्व से परिचित होना<br>–लेखन कौशल एवं बौद्विक क्षमता का विकास<br>–तार्किक क्षमता का विकास<br>–शब्द भंडार में वृद्धि |
| 9 | **JANUARY** | व्याकरण–<br>प्रत्ययाः–क्त्वा प्रत्यय<br>(पाठ–7)<br>पत्र–लेखनम्–1,2<br>पुनरावृत्ति<br>` | –चिंतन मनन का विकास<br>–सजकता<br>–स्वाध्याय<br>–तार्किक क्षमता का विकास<br>–रचना कौशल<br>–पठन कौशल एवं बौद्विक क्षमता का विकास |
| | | | |